

102



15/-

न्यायालय : माननीय राजस्व मण्डल, म०प्र० न्यायालय

अपील प्रकरण क्र० तीन/०७

A 386 III 107

- १- बलीराम पुत्र नारायण सिंह पादव
ग्राम - गुर्पालिया तहसील-मुंगावली,
जिला - अशोकनगर १ म०प्र०
- २- राजशान सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह
निवासी ग्राम गवर्लिया तहसील मुंगावली
जिला - गुना १ म०प्र०
- ३- शशीरथ पुत्र पूरन सिंह जाति आदिवासी
धंदा खेती निवासी ग्राम - खाडखंडा,
तहसील - मुंगावली, जिला-गुना म०प्र०
- ४- राजन पुत्र पूरन जाति आदिवासी
- ५- चम्पालाल पुत्र पूरन जाति आदिवासी
- ६- प्रेमसिंह पुत्र पूरन जाति आदिवासी
- ७- राजबाई पुत्री पूरन जाति आदिवासी
धंदा खेती समस्त निवासी ग्राम -
खाडखंडा, तहसील मुंगावली, जिला गुना
१ म०प्र०

श्री क. क. शिव २३
द्वारा आज दि० २७-२-०७

अवर सचिव
राजस्व मण्डल म० प्र० न्यायालय

27-2-07
K.K. Shiv
A

----- अपीलाधीन

// विरुद्ध //

म०प्र० शासन --- प्रत्यर्था

न्यायालय : अपर आयुक्त न्यायालय संज्ञा न्यायालय
अपील प्रकरण क्रमांक 276/05-06 अपील में पारित आदेश
दिनांक 8-9-06 के विरुद्ध म०प्र० न्यायालय संज्ञा की
धारा-44 के अधीन अपील ।

===== 0 =====

R
15

-1-

16-5-16

सदस्य

(2003/04)

प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह अपील अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 276/2005-06 अपील में पारित आदेश दिनांक 8-9-06 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।

2/ प्रकरण का सारोँश यह है कि कलेक्टर गुना के समक्ष आवेदन देकर अपीलांत बलीराम, राजभान सिंह ने निजी खाते की ग्राम खाईखेड़ा की भूमि सर्वे नंबर 56/1 क, ख रकबा 1.045 हैक्टर (नहर से सिंचित) में से रबा 0.868 हैक्टर भागीरथ एवं अन्य 5 सहभागीदार आदिवासियों की भूमि सर्वे नंबर 74/1 रकबा 0.868 हैक्टर से विनिमय किये जाने की मांग की। कलेक्टर गुना ने अपीलांट्स के आवेदन में वर्णित तथ्यों की जांच एवं सुनवाई कर प्रकरण क्रमांक 31 अ 19/2001-02 में पारित आदेश दिनांक 16-7-02 से विनिमय आवेदन निरस्त कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर के

XXix(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर
प्रकरण क्रमांक 386-तीन/2007 अपील जिला अशोकनगर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों/ अभिभाषकों के हस्ताक्षर
	<p>समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 276/05-06 अपील में पारित आदेश दिनांक 8-7-06 से अपील निरस्त कर दी गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह द्वितीय अपील प्रस्तुत हुई है।</p> <p>3/ अपील मेमो में अंकित आधारों पर उभय पक्ष के अभिभाषकों को सुना जा चुका है। अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>4/ अपीलांट के अभिभाषक ने लेखी तर्क में बताया है कि मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 167 के अनुसार चकबंदी के प्रयोजन के लिये अथवा खेती की अधिक सुविधा के लिये कृषक अपना संपूर्ण खाता अथवा किसी भाग का विनिमय पारस्परिक करार द्वारा कर सकेंगे, किन्तु विचाराधीन प्रकरण के अवलोकन से स्थिति भिन्न परिलक्षित है क्योंकि एक पक्ष के पास मात्र 0.868 हैक्टर भूमि है जबकि दूसरे पक्ष के पास 1.045 हैक्टर नहर से सिंचित भूमि है यदि इस विनियम को स्वीकार किया जाता है तब रकबा 1.045 हैक्टर भूमि दो हिस्सों में बट जावेगी एवं 0.868 हैक्टर विनियम में चले जाने से एक टुकड़ा 0.177 हैक्टर दो भागों में विभक्त हो जावेगा, जबकि संहिता की धारा 167 का उद्देश्य चकबंदी करने एवं एक खेत को सुविधा के लिये दूसरे खेत को मिलाने का है, जिसके कारण विनियम अलाभकारी एवं वास्तविक स्थिति पर आधारित न पाने के कारण कलेक्टर गुना द्वारा आदेश दिनांक 16-7-02 से अस्वीकार किया है और इन्हीं कारणों से विद्वान अपर आयुक्त ने कलेक्टर के आदेश को उचित होना माना है। वैसे भी दोनों</p>	

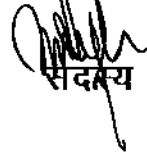
R
2/2



प्र0क0 386-तीन/2007 अपील

अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा आदेशों में निकाले गये निर्णय समरूप हैं जिसके कारण विचाराधीन अपील में हस्तक्षेप की गुंजायश नहीं है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपील सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। फलतः अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 276/2005-06 अपील में पारित आदेश दिनांक 8-9-06 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।


सिद्धाय

R
1/4